भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध

प्रिलिम्स के लिये:

आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता, आपूर्ति शृंखला लचीलापन पहल, क्वाड, ऑस्ट्रेलिया की अवस्थिति और पड़ोसी, व्यापक रणनीतिक साझेदारी।

मेन्स के लिये:

भारत और ऑस्ट्रेलिया संबंध, भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिटिकल मिनिरल्स इन्वेस्टमेंट पार्टनरशिप, महत्त्व, भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर सम्मेलन।

चर्चा में क्यों?

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री **भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर सम्मेलन** हेतु मार्च 2023 में भारत के दौरे पर हैं, उनका लक्ष्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और रक्षा संबंधों को मज़बूत करना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध:

- **ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य:**
  - ऑस्ट्रेलिया और भारत ने सर्वप्रथम स्वतंत्रता से पूर्व राजनयिक संबंध स्थापित किये, जब **भारत के वाणिज्य दूतावास को पहली बार वर्ष 1941 में सिडनी में एक व्यापार कार्यालय** के रूप में खोला गया था।
  - भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध उस समय **ऐतिहासिक निम्न स्तर** पर पहुँच गए **जब ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने भारत के वर्ष 1998 के परमाणु परीक्षणों की निंदा की थी।**
  - वर्ष 2014 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ एक **यूरेनियम आपूर्ति समझौते** पर हस्ताक्षर किये, जो भारत के **"त्रुटिहीन" (Impeccable) अप्रसार रिकॉर्ड को मान्यता** देते हुए परमाणु अप्रसार संधि के **गैर-हस्ताक्षरकर्त्ता देश के साथ अपनी तरह का पहला समझौता** था।

- **साझा मूल्य:**
    - **बहुलवादी, वेस्टमिंस्टर-शैली के लोकतंत्रों के साझा मूल्यों, राष्ट्रमंडल परंपराओं, आर्थिक संबंधों के विस्तार और उच्च-स्तरीय संवाद में वृद्धि** ने भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंधों को मज़बूत किया है।
    - **मज़बूत, जीवंत, धर्मनिरपेक्ष और बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र, एक स्वतंत्र प्रेस, एक स्वतंत्र न्यायिक प्रणाली** तथा अंग्रेज़ी भाषा सहित सामान्य लक्षण, घनिष्ठ सहयोग की नींव के रूप में काम करते हैं।
- **लोगों के बीच संबंध:**
    - भारत उन शीर्ष देशों में से एक है जहाँ से प्रतिभाशाली अप्रवासी ऑस्ट्रेलिया आते हैं। वर्ष 2021 की जनगणना के अनुसार **लगभग 9.76 लाख ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने भारतीय मूल के होने का दावा किया, जिससे वे विदेशों में पैदा हुए निवासियों का दूसरा सबसे बड़ा समूह** बन गए।
- **सामरिक संबंध:**
    - वर्ष 2020 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने **भारत-ऑस्ट्रेलिया वर्चुअल शिखर सम्मेलन** के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी से व्यापक रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित किया।
    - वर्ष 2021 में **ग्लासगो में COP26** के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई थी।
    - वर्ष 2022 और 2023 में मंत्रियों द्वारा कई उच्च-स्तरीय बैठकें एवं दौरे किये गए, जिनमें ऑस्ट्रेलिया-भारत वर्चुअल शिखर सम्मेलन और विदेश मंत्रियों की बैठक शामिल है। दूसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान कई महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ की गईं जिनमें शामिल हैं:
        - कौशल के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने हेतु **प्रवासन और गतिशीलता भागीदारी व्यवस्था पर आशय पत्र।**
- **रक्षा सहयोग:**
    - सितंबर 2021 में **2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद** हुआ और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री ने जून 2022 में भारत का दौरा किया।
    - रक्षा सहयोग बढ़ाने हेतु जून 2020 में वर्चुअल समिट के दौरान **म्यूचुअल लॉजिस्टिक्स सपोर्ट एग्रीमेंट** (MLSA) पर हस्ताक्षर किये गए थे।
    - **संयुक्त सैन्य अभ्यास:**
        - अगस्त 2023 में भारत, जापान और अमेरिका की भागीदारी के साथ ऑस्ट्रेलिया **"मालाबार" अभ्यास** की मेजबानी करेगा।
        - भारत को 2023 में **तालिस्मान सेबर अभ्यास** में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया गया है।
- **चीन कारक:**
    - ऑस्ट्रेलिया-चीन संबंध कई कारणों से तनावपूर्ण हो गए, **जिनमें ऑस्ट्रेलिया द्वारा 5G नेटवर्क से हुआवेई पर प्रतिबंध लगाना, कोविड-19 की उत्पत्ति की जाँच की मांग और** शिजियांग **तथा हॉन्गकॉन्ग में** चीन के मानवाधिकारों के उल्लंघन **की निंदा करना** शामिल है।
        - चीन ने ऑस्ट्रेलियाई निर्यात पर व्यापार बाधाओं को लागू कर सभी मंत्रिस्तरीय संपर्क समाप्त कर दिये।
    - भारत सीमा पर चीनी आक्रमण का सामना कर रहा है, जिसका उदाहरण **गलवान घाटी संघर्ष** जैसी घटनाएँ हैं।
    - ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों एक **नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था** का समर्थन करते हैं और वे भारत-प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय संस्थानों की स्थापना की मांग कर रहे हैं, जो समावेशी और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देते हों।
        - **क्वाड** (भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान) में शामिल भागीदार देशों की साझा चिंताओं का आधार उनके हितों के अभिसरण का एक उदाहरण है।
- **बहुपक्षीय सहयोग:**
    - दोनों **क्वाड**, कॉमनवेल्थ, **इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA)**, **आसियान क्षेत्रीय फोरम**, एशिया पेसिफिक पार्टनरशिप ऑन क्लाइमेट एंड क्लीन डेवलपमेंट के सदस्य हैं और उन्होंने **पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन** में भाग लिया है।
    - दोनों देश **विश्व व्यापार संगठन** के संदर्भ में पाँच इच्छुक पार्टियों (FIP) के सदस्यों के रूप में भी सहयोग करते रहे हैं।
    - ऑस्ट्रेलिया **एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC)** में एक महत्त्वपूर्ण देश है और संगठन में भारत की सदस्यता का समर्थन करता है।
- **आर्थिक सहयोग:**
    - **आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA):**
        - यह एक दशक में विकसित देश के साथ भारत द्वारा हस्ताक्षरित पहला मुक्त व्यापार समझौता है जो दिसंबर 2022 में लागू हुआ।
    - **ड्यूटी में कमी:**
        - इसके परिणामस्वरूप **ऑस्ट्रेलिया को किये जाने वाले भारतीय निर्यात के 96% मूल्य** (जो कि टैरिफ लाइनों का 98% है) **पर**

शुल्क में तत्काल कमी आई है और **भारत को ऑस्ट्रेलिया के 85% निर्यात (मूल्य में) पर शून्य शुल्क** लगा दिया गया है।

- **सप्लाई चैन रेज़ीलियेंस इनीशिएटिव (SCRI):**
  - भारत और ऑस्ट्रेलिया जापान के साथ त्रिपक्षीय व्यवस्था में भागीदार हैं जो **हिंद-प्रशांत क्षेत्र** में आपूर्ति शृंखलाओं के लचीलेपन को बढ़ाना चाहता है।
- **द्विपक्षीय व्यापार:**
  - ऑस्ट्रेलिया **भारत का 17वाँ सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार** है और भारत, ऑस्ट्रेलिया का 9वाँ सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
  - **वर्ष 2021** में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार**27.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का था, **पाँच वर्षों में इसके 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के आसपास पहुँचने की संभावना है।

- **शिक्षा क्षेत्र में सहयोग:**
  - मार्च 2023 में **शैक्षिक योग्यता की पारस्परिक मान्यता (MREQ)** के लिये सहयोग पर हस्ताक्षर किये गए थे। यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच छात्रों की गतिशीलता को सुविधाजनक बनाएगा।
    - डीकिन विश्वविद्यालय और वोलोंगोंग विश्वविद्यालय भारत में परिसर खोलने की योजना बना रहे हैं।
    - **1 लाख से अधिक भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं,** जिससे ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्र विदेशी छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह बनकर उभरा है।
- **स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग:**
  - फरवरी 2022 में **नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा** के एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर कर देशों ने अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों जैसे- अल्ट्रा लो-कॉस्ट सौर और स्वच्छ हाइड्रोजन की लागत को न्यूनतम करने के लिये साथ काम करने पर सहमति व्यक्त की।
  - भारत ने **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** के तहत प्रशांत महाद्वीपीय देशों को 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (AUD) की सहायता प्रदान करने की घोषणा की।
  - दोनों देशों ने तीन वर्ष की **भारत-ऑस्ट्रेलिया दुर्लभ खनिज निवेश साझेदारी** के लिये 5.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रदान करने का वचन दिया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को लेकर चुनौतियाँ:

- **अडानी कोयला खदान विवाद:**
  - ऑस्ट्रेलिया में अडानी कोयला खदान परियोजना पर विवाद था, हालाँकि कुछ कार्यकर्त्ताओं ने इसका विरोध किया, जिससे दोनों देशों के आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न हो गया।
- **वीज़ा मुद्दे :**
  - ऑस्ट्रेलिया में काम करने के इच्छुक भारतीय कामगारों और छात्रों के लिये वीज़ा प्रतिबंधों को लेकर चिंता व्यक्त की गई है।
- **भारतीय प्रवासियों के साथ हिंसा:**
  - खालिस्तान समर्थकों द्वारा हाल ही में भारतीय प्रवासियों और मंदिरों पर किये गए हमलों ने तनाव उत्पन्न कर दिया है।

आगे की राह

- **साझा मूल्यों, विभिन्न प्रकार की रुचियों, भौगोलिक उद्देश्यों** के कारण हाल के वर्षों में भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध मजबूत हुए हैं।
- दोनों देश **एक ऐसा हिंद-प्रशांत क्षेत्र चाहते हैं जो मुक्त, खुला, समावेशी और नियमपूर्वक शासित हो;** किसी भी विवाद को बिना किसी दबाव या एकतरफा कार्रवाई के सुलझाया जाना चाहिये।
- भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन जैसी पहल, भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच**नए सिरे से संबंध, इंडो-पैसिफिक में नियम-आधारित आदेश सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिये दोनों देशों के बीच संबंधों को और मज़बूत करने का अवसर प्रदान करते हैं।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (2018)

1. ऑस्ट्रेलिया
2. कनाडा
3. चीन
4. भारत
5. जापान

6. अमेरिका

उपर्युक्त में से कौन आसियान के 'मुक्त-व्यापार भागीदारों' में से हैं?

(a) केवल 1, 2, 4 और 5
(b) केवल 3, 4, 5 और 6
(c) केवल 1, 3, 4 और 5
(d) केवल 2, 3, 4 और 6

उत्तर: (c)

- पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, कोरिया गणराज्य, जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड छह ऐसे देश हैं जिनके साथ दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के मुक्त व्यापार समझौते हैं।

स्रोत : इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-australia-relations-1